बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूल्यांकन

*डॉ. वंदना आहूजा

प्रस्तावना (Introduction)

किसी भी देश के विकास के लिए निर्माण कार्यों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। निर्माण कार्य में अन्य संसाधनों के साथ–साथ सीमेंट का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में भी सीमेंट इण्डस्ट्री का बहुत बडा योगदान रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से गति देने हेतु सीमेंट इण्डस्ट्री ने आधारभूत संरचना के निर्माण के साथ–साथ नगरीयकरण को भी बढावा दिया है। सीमेंट के कारण ही आज बडे–बडे पुल, बांध, व्यावसायिक एवं राजनैतिक भवन, रिहायशी मकान, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पीटल आदि का निर्माण संभव हो सका है जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को निश्चय ही गति मिली है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में नगरीकरण को तेजी से बढावा मिला है इसके अलावा केन्द्र सरकार ने भी भारत में स्मार्ट सिटिज को बढावा देने की दिशा में कदम बढाया है। भारत में 67 प्रतिशत सीमेंट की खपत प्रतिवर्ष भवन निर्माण कार्यों में हो जाती है जबकि 13 प्रतिशत सीमेंट का उपयोग आधारभूत संरचना के निर्माण हेतु उपयोग में लिया जाता है इसके अतिरिक्त लगभग 11 प्रतिशत सीमेंट का उपयोग व्यावसायिक कार्यो हेतु होता है तथा साथ ही साथ लगभग 9 प्रतिशत सीमेंट औद्योगिक कार्यों हेतु उपयोग में ली जाती है।

बिनानी सीमेंट उद्योग का परिचय

भारत में बिनानी सीमेंट एक प्रमुख सीमेंट निर्माता कम्पनी है। इसकी स्थापना ब्रज बिनानी द्वारा 1996 में की गई थी। वर्तमान में यह बिनानी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जानी जाती है। इसका रजिस्टर्ड कार्यालय कोलकाता में तथा कॉर्पोरेट ऑफिस मुम्बई में है। बिनानी सीमेंट के विक्रय तथा लाभदायकता की यदि बात की जाए तो वर्ष 2013–14 में कम्पनी का विक्रय 13264.06 लाख रूपये था जबकि 2014–15 में यह 5514.21, वर्ष 2015–16 मे 26745.60 तथा 2016–17 में 18387.81 लाख रूपये था। वही ब्याज तथा वित्तीय खर्चे वर्ष 2013–14 में 26818.09 लाख रूपये था जबकि 2016–17 में 5248.82 लाख रूपये था। यदि लाभों की बात की जाए तो वर्ष 2013–14 में 1960.24 लाख रूपये था जबकि 2016–17 में 1429.85 लाख रूपये था।

साहित्य का पुनर्निरीक्षण (Review of Litreature)

उपर्युक्त शोध "**बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूल्यांकन**" के संबंध में साहित्य का पुनर्निरीक्षण करने पर निम्न तथ्य उभर कर सामने आये –

कुमार (2015) के प्रस्तुत शोध "Profitability Analysis of Selected Cement Companies in India" के अनुसार शोधकर्ता ने वर्ष 2005 से 2014 तक लाभों की स्थितियों का अध्ययन किया है जिसमें उन्होंने पाया कि इन वर्षों के दौरान भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री की लगातार प्रगति हुई है तथा लाभों में बढोतरी हुई है। किंतु उन्होंने यह भी

बताया कि भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री के लाभों में बढोतरी हेतु लागतों पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है।

मुखोपाध्याय (2012) के प्रस्तुत शोध "an Analytical Study of the Changing Structure in the Cement Industry of India" के अनुसार भारत में सीमेंट उद्योग की व्यापक संभावनाएं है किंतु वर्तमान में इस उद्योग हेतु नये परिवर्तनों की आवश्यकता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में सीमेंट उद्योग ने जिस तेज गति से विकास किया है जिसके परिणामस्वरूप भारत में अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का भी पदार्पण हुआ है जिससे भारत में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है।

भण्डी तथा कुमनूर (2013) के प्रस्तुत शोध "Problems and Prospects of Cement Industry" के अनुसार भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री के लिए पूंजी, श्रम, कच्चा माल, ऋण, ब्याज दरें, भारी विनियोग, लम्बी अवधि जैसी अनेको समस्याएं है इस हेतु सरकार को इसे बढावा देने हेतु करों में छूट, रियायतों दरों पर भूमि एवं भवन की उपलब्धता, आसान ऋण, कम ब्याज दरें आदि प्रावधान करने की आवश्यकता है।

भायानी (2010) के प्रस्तुत शोध "Determinants of Probability in Indian Cement Industry : An Economic Analysis" के अनुसार भारत में सीमेंट उद्योग के विकास हेतु कुछ निर्धारक तत्व है जिनमें संस्था का आकार, प्रबंध, संस्था की प्रगति, उत्पादन की लागत, उपभोक्ताओं द्वारा स्वीकार्यता, शोध आदि प्रमुख है। भारत में सीमेंट उद्योग के निर्धारकों में लाभ, ब्याज दरें, अवधि, मशीनों की उपलब्धता भी प्रमुख है।

अध्ययन का उद्धेश्य (Objectives of the Study)

उपर्युक्त शोध "**बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूंल्यांकन**" के मुख्य उद्धेश्य निम्नलिखित है–

(1) केन्द्र सरकार द्वारा सीमेंट इण्डस्ट्री को बढावा देने हेतु उठाये गये कदमों का अध्ययन करना।

(2) बिनानी सीमेंट की वर्ष 2016–17 के वार्षिक प्रतिवेदन का अध्ययन करना तथा निष्कर्ष निकालना।

(3) सीमेंट इण्डस्ट्री की समस्याओं तथा भावी संभावनाओं का अध्ययन करना।

(4) बिनानी सीमेंट की पिछले वर्षों में हुई प्रगति का मूंल्यांकन करना।

परिकल्पना (Hypotheses)

उपर्युक्त शोध "**बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूंल्यांकन**" के अन्तर्गत निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जायेगा।

(1) बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभों में प्रतिवर्ष वृद्धि हुई है।

(2) बिनानी सीमेंट उद्योग की भावी संभावनाएं बहुत व्यापक है।

(3) अन्य सीमेंट कम्पनियों की तुलना में बिनानी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

(4) बिनानी सीमेंट उद्योग ने पिछले वर्षों में लगातार प्रगति की है।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

किसी भी वैज्ञानिक शोध की आधारशिला आंकड़ों के एकत्रीकरण तथा उनके सही ढंग से विश्लेषण पर टिकी हुई है। इस हेतु उचित निष्कर्षों तक पहुँचने के लिए यह कार्य वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होना चाहिए। अतः इसके

लिए एक शोध प्ररचना या अनुसंधान पद्धति का निर्धारण आवश्यक है। एक अच्छी शोध प्ररचना के निर्माण के लिए शोधार्थी को शोध प्ररचना में शोध के विषय के प्रत्येक पक्ष का योजनाबद्ध तरीके से उचित निर्धारण करना चाहिए जिससे शोध कार्य को सही दिशा मिल सके तथा किये गये शोध से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सके।

शोध प्रक्रिया के अन्तर्गत समस्या का विश्लेषण, परिकल्पना का निर्माण, अवलोकन, आधार सामग्री का संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण तथा निर्वचन एवं निष्कर्षों तक पहुँचने की चरणबद्ध विवेचना की जाती है। शोध व्यूह रचना का शोध अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। प्रकार एवं स्त्रोत के अनुसार तथ्य सामग्री को दो भागों में बांटा जाता है – प्राथमिक तथ्य तथा द्वितीयक तथ्य। प्राथमिक तथ्य सामग्री को शोधकर्ता स्वयं घटना स्थल पर जाकर या सम्बन्धित व्यक्तियों से साक्षात्कार, प्रश्नावली, अवलोकन आदि के माध्यम से प्राप्त करता है। जबकि द्वितीयक तथ्य व्यक्तिगत प्रलेखों तथा सार्वजनिक प्रलेखों से प्राप्त किये जाते है। व्यक्तिगत प्रलेखों में प्रकाशित तथा अप्रकाशित दोनों प्रकार की सामग्री को शामिल किया जाता है।

अध्ययन का क्षेत्र (Scope of the Study)

उपर्युक्त शोध "**बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूंल्यांकन**" के अन्तर्गत यह जानने का प्रयास किया जायेगा कि वर्तमान समय में बिनानी सीमेंट का प्रदर्शन अन्य कम्पनियों की तुलना में किस प्रकार का रहा है। क्या पिछले वर्षों की तुलना में बिनानी सीमेंट का उत्पादन बढा है। पिछले वर्षों में बिनानी सीमेंट का वार्षिक उत्पादन तथा लाभ का प्रतिशत क्या रहा है। इस प्रकार उपर्युक्त शोध द्वितीयक संमको के आधार पर किया जायेगा इस हेतु पुराने प्रतिवेदन, सरकारी प्रलेख, शोध पत्र, बिनानी सीमेंट की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, समाचार पत्र आदि का अध्ययन किया जायेगा।

अध्ययन की सीमाएँ (Limitations of the Study)

उपर्युक्त शोध "**बिनानी सीमेंट उद्योग के लाभदायकता का मूल्यांकन**" की कुछ सीमाएँ हैं। प्रथम तो यह अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों पर निर्भर है। इस प्रकार द्वितीयक आँकड़ों के अन्तर्गत आंकडों की उपलब्धता, समयावधि आदि के कारण तथा धन के अभाव के कारण उक्त निष्कर्षों पर प्रभाव पड़ सकता है।

बिनानी सीमेंट के लाभदायकता का मूंल्यांकन (Profitability Appraisal of Binani Cement)

Financial Performance

Particular	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
Net Sales & Other Income	18387.81	26745.60	5514.21	13264.06
Interest & Financial Charges	5248.82	4989.94	18459.17	26818.09
Depreciation & Amortisation	169.76	220.76	177.25	126.70
Profit & Loss before Tax	1429.85	1688.47	1204.79	1960.24
Other Comprehensive Income	1067.33	1913.29	-	-
Profit/Loss and other Comprehensive Income	18.68	0.74	1204.79	1960.24

(Source : Annual Report of Binani Cement 2016-17)

बिनानी सीमेंट के विक्रय तथा लाभदायकता की यदि बात की जाए तो वर्ष 2013–14 में कम्पनी का विक्रय 13264.06 लाख रूपये था जबकि 2014–15 में यह 5514.21, वर्ष 2015–16 मे 26745.60 तथा 2016–17 में 18387.81 लाख रूपये था। वही ब्याज तथा वित्तीय खर्चे वर्ष 2013–14 में 26818.09 लाख रूपये था जबकि 2016–17 में 5248.82 लाख रूपये था। यदि लाभों की बात की जाए तो वर्ष 2013–14 में 1960.24 लाख रूपये था जबकि 2016–17 में 1429.85 लाख रूपये था। इस प्रकार बिनानी सीमेंट कम्पनी अन्य कम्पनियों के बाजार में उतरने के बावजूद अपना वर्चस्व कायम रखने में कामयाब रही है।

निष्कर्ष (Conclusion)

भारतीय अर्थव्यवस्था में सीमेंट इण्डस्ट्री का बहुत बडा योगदान रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था का सुचारू रूप से गति देने हेतु सीमेंट इण्डस्ट्री ने आधारभूत संरचना के निर्माण के साथ–साथ नगरीयकरण को भी बढावा दिया है। सीमेंट के कारण ही आज बडे–बडे पुल, बांध, व्यावसायिक एवं राजनैतिक भवन, रिहायशी मकान, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पीटल आदि का निर्माण संभव हो सका है जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को निश्चय ही गति मिली है। इस इण्डस्ट्री में हालांकि बहुत सी कम्पनियां पदार्पण कर चुकी है किंतु बिनानी सीमेंट ने इस इण्डस्ट्री में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हालांकि बिनानी सीमेंट के विक्रय की यदि बात की जाए तो वर्ष 2013–14 में कम्पनी का विक्रय 13264.06 लाख रूपये था जबकि 2014–15 में यह 5514.21, वर्ष 2015–16 मे 26745.60 तथा 2016–17 में 18387.81 लाख रूपये था। इस प्रकार कम्पनी ने लगातार विगत वर्षो में विक्रय में अच्छा प्रदर्शन किया है किंतु लाभों की दृष्टि से कम्पनी का प्रदर्शन औसत रहा है। इसके लिए आवश्यकता इस बात की है कि कम्पनी को अपने लागतों पर नियंत्रण के साथ–साथ आधुनिक मशीनों का उपयोग, उपभोक्ता में विश्वास तथा संतुष्टि, प्रभावी विज्ञापन एवं प्रचार आदि कार्यों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

***व्याख्याता**
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या पी.जी. कॉलेज
कोटा (राज.)

References

1. Annual Report of Binani Cement 2014-15
2. Pareek A. & Pincha S. (2015). Indian Cement Industry: A Road Ahead. International Journal in Management and Social Science
3. Panigrahi A. K (2013). Liquidity Management of Indian Cement Companies – A Comparative Study. IOSR Journal of Business and Management.
4. Annual Report of Binani Cement 2015-16
5. Bhandi, J.S. & Kumnoor B. (2013). Problems and Prospects of Cement Industry. India Streams Research Journal, page 1-4.
6. Annual Report of Binani Cement 2013-14
7. Annual Report of Binani Cement 2016-17
8. Bhayani, S.J. (2010). Determinants of Profitibility in Indian Cement Industry: An Economic Analysis. South Asian Journal of Management.
9. Kumar, M.S. Pasha, M.S. & Prakash T.N. (2015). Profitability Analysis of Selected Cement Companies in India. International Journal of Multidisciplinary Research and Modern Education.

10. Mukhopadhyaya, J.N. Roy, M. & Raychaudhuri (2012). An Analytical Study of the Changing Structure in the Cement Industry of India. International Management Journal.